

>

Title: Need to check female infanticide with a view to maintain sex ration in the country.

श्री पन्ना लाल पुनिया (बाराबंकी): सभापति महोदय, मैं आपका आभारी हूँ कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया। आज पूरा देश जनसंख्या और जनसंख्या में पुरुषों एवं महिलाओं के अनुपात को लेकर चिंतित है। हाल में की गई जनगणना वर्ष 2011 में एक हजार पुरुषों पर केवल 940 महिलाएं हैं। यह अनुपात अत्यंत गंभीर है। इससे भी चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जीरो से छः वर्षों तक की आयु में लिंग अनुपात एक हजार बालकों के बदले केवल 914 बालिकाएं हैं। वर्ष 1950 में इन बालिकाओं की संख्या 914 की जगह 976 थी। यह आंकड़ा व्यस्क अनुपात से काफी कम है। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र में प्रति एक हजार बालकों के लिए नौ सौ से भी कम बालिकाओं का अनुपात है। यह घोर चिन्ता का विषय है। पूरे समाज को लालच से ऊपर उठ कर सभी डॉक्टरों को इस प्रवृत्ति को रोकने के प्रयास में भागीदारी करनी चाहिए। इससे यह सीधा प्रतीत होता है कि कन्या भ्रूण हत्या पूरे देश भर में हो रही है। भारत के पड़ोसी देशों में पुरुषों एवं महिलाओं का अनुपात भी हमसे बेहतर है। बंगलादेश में एक हजार पुरुषों पर 978 महिलाएं, पाकिस्तान में एक हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं, श्रीलंका में एक हजार पुरुषों पर 1034 महिलाएं हैं।

-
-
-
-
-

13.00 hrs.

चीन में एक हजार पुरुषों पर 926 महिलाएं हैं।

अतः मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि महिलाओं और पुरुषों की जन्म दर को बराबर रखे जाने की आवश्यकता है। कन्या भ्रूण हत्या रोकने के लिए वर्तमान कानून में संशोधन कर सकती से कार्रवाई करने की आवश्यकता है।

SHRIMATI BOTCHA JHANSI LAKSHMI (VIZIANAGARAM): Mr. Chairman, Sir, I am also associating with Shri P.L. Punia on the issue of maintaining the population male-female sex ratio in the country.